हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-13 अंक-10 हरिद्वार, बुधवार, 01 अप्रैल, 2026 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

प्रधानमंत्री मोदी मिले सीएम धामी से उत्तराखंड आगमन का दिया निमंत्रण

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के विकास के लिये केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र के सहयोग से राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखंड आगमन का भी निमंत्रण प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को टिहरी जनपद में स्थित शक्तिपीठ मां सुरकंडा देवी की रेप्लिका, बद्री गाय का घी के साथ ही राज्य के अलग- अलग जिलों से मंगाई पांच प्रकार की राजमा और शहद भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार कुम्भ-2027 के लिए 500 करोड़ रुपये की सहायता, नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा फिजिबिलिटी स्टडी, राजाजी नेशनल पार्क स्थित चौरासी कुटिया के विकास के लिए 100 करोड़ की स्वीकृति, पिथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई पट्टी हेतु एमओयू और चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षित हेली सेवाओं हेतु संचालन में सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण, चम्पावत बाईपास, देहरादून रिंग रोड एवं देहरादून-मसूरी रोड जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए भी प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने, उत्तराखंड दौरे पर प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए सुझावों और मार्गदर्शन पर राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड को वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए चौपता, दुग्गलबिट्टा, पटवाडांगर और शारदा कॉरिडोर क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है, जबकि रामनगर, देहरादून, ऋषिकेश और त्रियुगीनारायण पहले से लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन बन चुके हैं। राज्य में वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए पालिसी भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र के रूप में बेल केदार, अंजनीसैंण-टिहरी तथा लोहाघाट-श्यामलाताल क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। राज्य सरकार ने शीतकालीन यात्रा भी प्रारंभ कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आदि कैलास यात्रा में वर्ष 2022 में 1761 श्रद्धालुओं की तुलना में वर्ष 2025 में 36453 श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन किया गया। यहाँ के लिए हेलीसेवा भी शुरू की गई। इसी तरह राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, कयाकिंग सहित अनेक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही स्थानीय रोजगार सृजन के लिए वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा, पर्यटन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 'एक जिला-एक मेला', क्लस्टर विद्यालय योजना, भारत दर्शन एवं उत्तराखण्ड दर्शन कार्यक्रम जैसी पहलों की जानकारी भी प्रधानमंत्री को दी।

रेपिड रेल का विस्तार ऋषिकेश तक करने का अनुरोध : मुख्यमंत्री ने दिल्ली से मेरठ तक संचालित क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना का विस्तार मेरठ से हरिद्वार एवं ऋषिकेश तक किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए नीति समर्थन एवं प्राथमिकता देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने राज्य की सामरिक स्थिति, उपलब्ध प्रशिक्षित मानव संसाधन और विकसित औद्योगिक ढांचे को इस दिशा में उपयुक्त बताया। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार, हरिद्वार एवं देहरादून में रक्षा उपकरण उत्पादन औद्योगिक केंद्र की स्थापना पर भी केंद्र से सहयोग का अनुरोध किया। इसके साथ ही रायवाला क्षेत्र में बीआई-डक ब्रिज के विकास तथा उत्तरकाशी जिले में स्थित चिन्यालीसौड़ एयरस्ट्रिप के विस्तार की आवश्यकता पर भी बल दिया।

दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे के निर्माण का अनुरोध : मुख्यमंत्री ने टिहरी झील में सी-प्लेन सेवा प्रारंभ करने का प्रस्ताव भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे के निर्माण का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से काशीपुर, रुद्रपुर औद्योगिक क्षेत्र, पंतनगर एयरपोर्ट तथा रामनगर स्थित जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क तक आवागमन सुगम होगा और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए यातायात एवं लॉजिस्टिक्स में उल्लेखनीय सुधार आएगा। रेल कनेक्टिविटी के विस्तार पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के अंतर्गत ऋषिकेश से व्यासी खंड के शीघ्र लोकार्पण, टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन में रोड-कम-रेल टनल निर्माण, बागेश्वर-कर्णप्रयाग नई रेल लाइन के सर्वे तथा हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के डबलिंग का अनुरोध किया। उन्होंने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उत्तरकाशी क्षेत्र को रेल नेटवर्क से जोड़ने हेतु ऋषिकेश-उत्तरकाशी रेल लाइन के निर्माण का भी प्रस्ताव रखा, जिससे गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम की यात्रा सुगम होने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी।

उत्तराखंड आने का निमंत्रण : इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखण्ड आगमन का निमंत्रण देते हुए विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास का प्रस्ताव भी रखा। प्रस्तावित लोकार्पण में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे तथा टिहरी पम्प्ड स्टोरेज प्लांट शामिल हैं, जबकि शिलान्यास के लिए पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार एवं बनबसा लैंड पोर्ट परियोजना शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि चम्पावत जनपद के बनबसा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर विकसित हो रहा लैंड पोर्ट व्यापार, आवागमन एवं क्षेत्रीय सहयोग को नई गति देगा तथा एशियन हाईवे से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा।

राज्य की विशिष्ट पहलों का विवरण दिया: मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड में संचालित विशिष्ट पहलों एवं प्रमुख सुधारों की भी विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होम-स्टे योजना के अंतर्गत 6000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत किए जा चुके हैं। आमजन की सुविधा के लिए 'ttarastays' नाम से देश का पहला नि:शुल्क मार्केटिंग पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुड़ रहे हैं। उन्होंने बागवानी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए अल्मोड़ा के चौबटिया में सेब, चेरी, प्लम एवं नाशपाती हेतु सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किए जाने तथा किसानों के प्रशिक्षण के लिए विशेष व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

प्रमोशन के नाम पर 50 हजार की रिश्वत लेते आंगनबाड़ी सुपरवाइजर गिरफ्तार

हरिद्वार । जिले के रुड़की में विजिलेंस की टीम ने आंगनबाड़ी सुपरवाइजर को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा है। आरोप है कि सुपरवाइजर ने आंगनबाड़ी सहायिका से प्रमोशन कराने के एवज में यह घूस मांगी थी, लेकिन धरी गई। अब विजिलेंस की टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई। बता दें कि देहरादून से आई विजिलेंस की टीम ने रुड़की के बाल विकास अधिकारी कार्यालय में छापा मारा। ग्रामीण द्वितीय में तैनात सुपरवाइजर राखी सैनी को 50 हजार रुपए की घूस लेते हुए रंगे हाथ मौके पर ही दबोच लिया। इस मामले में आंगनबाड़ी सहायिका की शिकायत पर सतर्कता सेक्टर देहरादून में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। दरअसल, बाल विकास अधिकारी कार्यालय रुड़की ग्रामीण द्वितीय में तैनात सुपरवाइजर राखी सैनी ने आंगनबाड़ी सहायिका से उसके प्रमोशन के लिए 50 हजार रुपए की मांग की थी। जिसकी शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस की टीम ने मामले की पुष्टि कर जाल बिछाया। तय योजना के तहत बुधवार को जैसे ही सुपरवाइजर ने रिश्वत की रकम ली, वैसे ही टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज इस मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस छापेमारी के बाद विभागीय महकमे में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य कर्मचारियों में भी खौफ का माहौल देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि रिश्वत की यह करारी गड्डी ही आंगनबाड़ी सुपरवाइजर के लिए फांस बन गई। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज इस मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उधर, इस छापेमारी के बाद विभागीय महकमे में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य कर्मचारियों में भी खौफ का माहौल देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री की योजनाओं से खुश हैं युवा : विक्रम भुल्लर

हरिद्वार । भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम भुल्लर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया। विक्रम भुल्लर ने कहा कि नई कार्यकारिणी मिशन -2027 के लिए काम करेगी।

उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी ऊर्जावान और कर्मठ है। बुधवार को रामनगर स्थित आवासीय कार्यालय पर नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष देव विख्यात भाटी, जिला मंत्री राहुल शर्मा व मीडिया संयोजक चेतन यादव का स्वागत किया गया।

विक्रम भुल्लर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की नीतियों से सभी वर्ग खुश हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के नए अवसर प्रदान हो रहे हैं। इससे प्रदेश का युवा भाजपा के प्रति समर्पित है। इस मौके पर कैलाश भण्डारी, हितेश चौहान, संदीप प्रधान, दीपांशु विधार्थी, आदित्य मलिक, रिंकू छोक्कर व शैंकी चौधरी आदि शामिल हुए।

बोर्ड बैठक में लगभग एक अरब का अनुमानित बजट हुआ पास

हरिद्वार । जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में करीब 99.50 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट पारित किया गया। इस बजट को शिक्षा, सड़क, जल और स्वच्छता समेत विभिन्न विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। शनिवार को जिला पंचायत सभागार में जिपं अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई। इस दौरान सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ राजस्व वृद्धि पर चर्चा की। इस बैठक में जिला पंचायत क्षेत्र में जल संरक्षण, तालाब की सफाई, स्कूलों में पुस्तकालय की सुविधा, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों की उपलब्धता और बस स्टॉप जैसे काम पर विशेष फोकस किया गया। सदस्यों से नए सत्र में अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों के प्रस्ताव देने को कहा गया। इस अवसर पर जिपं उपाध्यक्ष अमित कुमार, सदस्य पिंकी, सविता, मीनाक्षी, परविंदर कौर, सरिता, मोनिका चौहान, दर्शना, अंजू, फर्कीजा आजमी, सरोज राकेश, फरहीन, संजय कुमारी, शहजादी, अनीता, सपना, खुर्शीदा, अमरीन, कमलेश, रेनू बाला, राकिब अली, नदीम अली, बीर सिंह, अंकुश, सोहनवीर, बृजमोहन पोखरियाल, नावेद आलम, जितेंद्र कुमार, मुस्तकीम, अंकित, पंचायतीराज मंत्री प्रतिनिधि सुशील त्यागी, अपर मुख्य अधिकारी संजय खंडूरी मौजूदरहे।धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कराएंगे: सिंहजिपं अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह के अनुसार, गांवों के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। जल संरक्षण के तहत तालाब और जल स्त्रोत को बचाने का प्रयास किया जाएगा।

सम्पादकीय

महिला सुरक्षा संस्थाओं का पतन

महाराष्ट्र महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रूपाली चाकणकर द्वारा एक बलात्कार आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात उर्फ कैप्टन के पैर धोने का दृश्य सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश में हंगामा मच गया। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर बने संस्थानों की आंतरिक कमजोरी का प्रतीक है। एक ऐसे व्यक्ति के चरणों में नतमस्तक होना, जिस पर 58 महिलाओं के यौन शोषण, गुप्त कैमरे लगाने और नशीले पदार्थों के माध्यम से अंधविश्वास का लाभ उठाने के आरोप हैं, नारीवाद के सिद्धांतों पर गहरा आघात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर चाकणकर ने 20 मार्च 2026 को इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रश्न बना हुआ है—क्या यह राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली का परिणाम है? भारतीय संदर्भ में महिला आयोग राज्य स्तरीय संस्थाएँ हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 15 और 39 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई हैं। लेकिन जब इन संस्थाओं का प्रमुख स्वयं एक आरोपी के प्रति श्रद्धा दिखाए, तो पीड़ित महिलाओं का विश्वास कैसे बनेगा? नासिक पुलिस ने खरात के फार्महाउस से 58 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए, जो यह सिद्ध करते हैं कि अंधविश्वास कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना हमें सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी स्तर पर गंभीर चिंतन के लिए बाध्य करती है। अशोक खरात कोई साधारण ज्योतिषी नहीं था। वह 'कैप्टन' के नाम से जाना जाता था, जो नेताओं से लेकर आम महिलाओं तक को अपनी कथित पूजा-पाठ और हस्तरेखा देखने के बहाने फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने फार्महाउस पर गुप्त कैमरे लगाए थे, महिलाओं को नशीला पदार्थ पिलाया और उनका शोषण किया। पेन ड्राइव में 58 वीडियो मिले, जो उसके अपराधों के ठोस प्रमाण हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खरात की संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये की है, जो शोषण के माध्यम से अर्जित की गई है। भारत में अंधविश्वास का यह बाजार नया नहीं है। तंत्र-मंत्र, ज्योतिष और तथाकथित बाबाओं का प्रभाव ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अंधविश्वास से जुड़े अपराधों में 15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। खरात ने कई नेताओं के हाथ देखे, जिनमें रूपाली चाकणकर भी शामिल थीं। एक वीडियो में वे यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि 'आप जैसे महापुरुष दुर्लभ हैं।' यह श्रद्धा किस प्रकार अपराधी को संरक्षण देती है, यह गंभीर विचार का विषय है। राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपी को छूट मिली, जो व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। रूपाली चाकणकर भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 'व्यक्तिगत कारणों' से इस्तीफा दे दिया, परंतु विशेष जांच दल की जांच जारी है। क्या वे आरोपी की सहयोगी थीं? विपक्ष ने उन्हें सह-आरोपी बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने तत्काल इस्तीफे का निर्देश दिया, जो सराहनीय कदम है। यह घटना राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली की समस्या को उजागर करती है, जहाँ योग्यता की बजाय वफादारी को प्राथमिकता दी जाती है। महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन वास्तविकता अलग है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का सामना करती हैं, लेकिन आयोगों तक पहुँचने वाली शिकायतें 5 प्रतिशत से भी कम हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी, भय और राजनीतिक दबाव है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही स्थिति है, जहाँ अंधविश्वास और बाबाओं का प्रभाव अधिक है और राजनीतिक नेता इन्हें वोट बैंक के लिए बढ़ावा देते हैं। अंधविश्वास महिला शोषण का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। कई तथाकथित बाबा 'काला जादू हटाने' के नाम पर महिलाओं का शोषण करते हैं। शिक्षा के बावजूद अंधविश्वास का बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत लोग अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच यह एक विडंबना है। कानून के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, पोक्सो कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम ऐसे अपराधों को नियंत्रित करते हैं। फिर भी सजा की दर 30 प्रतिशत से कम है। त्वरित सुनवाई की कमी के कारण अपराधी खुले घूमते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने हुसैनाारा खातून मामले में त्वरित सुनवाई को संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना था। महाराष्ट्र में विशेष जांच दल का गठन एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पारदर्शिता आवश्यक है। सुझाव के रूप में महिला आयोगों को स्वायत्त बनाया जाना चाहिए, राजनीतिक नियुक्तियों को रोका जाना चाहिए, अंधविश्वास विरोधी कानून को मजबूत किया जाना चाहिए (जैसे झारखंड मॉडल), और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। साथ ही, पुलिस प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता को शामिल किया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर विश्व आर्थिक मंच की जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत का स्थान 127वाँ है। ऐसी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक छवि प्रस्तुत करती हैं। अन्य देशों में सरूद्गशश आंदोलन इसलिए सफल हुआ क्योंकि वहाँ की संस्थाएँ अधिक मजबूत थीं। भारत को भी इससे सीख लेनी चाहिए। रूपाली चाकणकर प्रकरण एक आईना है, जो दिखाता है कि जब तक संस्थाएँ राजनीति की भेंट चढ़ती रहेंगी, तब तक महिला सुरक्षा केवल एक दावा बनी रहेगी।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का मर्यादित जीवन

-अशोक 'प्रवृद्ध'

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि आदर्श जीवन का वह दर्पण है जिसमें मर्यादा शब्द को जीवंत रूप दिया गया है। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने मानवीय सीमाओं अर्थात मर्यादाओं में रहकर वह सर्वोच्च आचरण प्रस्तुत किया, जो आज भी मानवता का पथ-प्रदर्शक है। श्रीराम के जीवन का सबसे बड़ा आधार सत्य है। वाल्मीकि रामायण में उन्हें सत्यवादी और दृढव्रत: कहा गया है। जब राजा दशरथ ने उन्हें वनवास का आदेश दिया, तो उन्होंने बिना किसी शोक या क्रोध के उसे स्वीकार किया। अयोध्या कांड में श्रीराम स्वयं स्वीकारते हैं-

रामो द्विर्नाभिभाषते।
अर्थात- राम दो बार नहीं बोलते।

राम की बात अटल होती है। उन्होंने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट का मोह क्षण भर में त्याग दिया। वाल्मीकि ने राम को धर्म का साक्षात विग्रह माना है- रामो विग्रहवान् धर्म:। उनके लिए धर्म का अर्थ किसी संकीर्ण पूजा पद्धति से नहीं, बल्कि कर्तव्य से था। एक पुत्र, भाई, पति और राजा के रूप में उन्होंने सदैव निजी सुख के ऊपर कर्तव्य को स्थान दिया। अयोध्या कांड में जब भरत उन्हें वापस लेने वन में जाते हैं, तब श्रीराम उन्हें कच्चित् सर्ग के माध्यम से राजधर्म का उपदेश देते हैं, जो एक शासक के लिए नीतिशास्त्र का सर्वोत्तम ग्रंथ है। माता कैकेयी, जिनके कारण उन्हें वनवास हुआ, उनके प्रति भी राम के मन में कभी कटुता नहीं रही। वन से लौटकर उन्होंने सबसे पहले कैकेयी के चरण स्पर्श किए। लक्ष्मण और भरत के प्रति उनका प्रेम नि:स्वार्थ था। लक्ष्मण के मूर्छित होने पर विलाप करते हुए वे कहते हैं कि देश-देश में स्त्रियां मिल सकती हैं, सगे संबंधी मिल सकते हैं, पर सहोदर भाई मिलना कठिन है। सुग्रीव और विभीषण के साथ उनकी मित्रता में ऊँच-नीच या स्वार्थ का स्थान नहीं था। एक सामान्य मनुष्य के समान राम रोते हैं, दुखी होते हैं और क्रोध भी करते हैं, लेकिन कभी अपनी गरिमा नहीं लांघते। समुद्र से रास्ता मांगते समय जब वह प्रार्थना से नहीं मानता, तब राम क्रोधित होते हैं, लेकिन वह क्रोध भी केवल लक्ष्य प्राप्ति के लिए था, विनाश के लिए नहीं। अरण्य कांड में सीता के अपहरण के बाद उनका विलाप उनके गहरे मानवीय प्रेम को दर्शाता है, किन्तु वे विलाप में भी कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते। श्रीराम की मर्यादा की पराकाष्ठा रावण के साथ उनके व्यवहार में दिखती है। युद्धभूमि में जब रावण निहत्था हो जाता है, तो राम उसे मारते नहीं, बल्कि कहते हैं- थक गए हो, आज घर जाओ, कल शस्त्र लेकर आना। युद्ध कांड में रावण की मृत्यु के बाद राम विभीषण से कहते हैं-

मरणान्तानि वैराणि।
अर्थात- मृत्यु के साथ ही वैर समाप्त हो जाता है।
श्रीराम ने रावण का विधिवत अंतिम संस्कार करवाया।

वाल्मीकि रामायण के केवट संवाद और भरत मिलाप श्रीराम के सबसे भावुक और मर्यादित प्रसंगों में शामिल हैं। केवट संवाद तो मर्यादा और प्रेम का संगम ही है। वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड में अंकित केवट संवाद के अनुसार जब श्रीराम वनवास के लिए निकले तो गंगा तट पर उनकी भेंट केवट से हुई। केवट ने प्रभु के चरणों को धोने की जिद की, क्योंकि उसने सुना था कि उनके चरणों की धूल से पत्थर की अहिल्या नारी बन गई थी। उसे डर था कि कहीं उसकी काठ की नाव भी स्त्री न बन जाए। श्रीराम ने उसकी इस भोली और प्रेमभरी शर्त को सस्मित अर्थात मुस्कुराते हुए स्वीकार किया। यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि वे एक राजा के पुत्र होकर भी एक साधारण केवट के सामने झुकते हैं ताकि वह अपना काम अर्थात पैर धोना कर सके। वे ऊँच-नीच के भेदभाव को पूरी तरह मिटा देते हैं। मर्यादा की पराकाष्ठा यह है कि जब केवट उन्हें पार उतार देता है, तब श्रीराम उसे उत्तराई अर्थात किराया देना चाहते हैं। वे खाली हाथ थे, तो सीता जी ने अपनी रत्नजड़ित मुद्रिका अर्थात अंगूठी दी। केवट ने उसे लेने से मना कर दिया, यह कहते हुए कि हम दोनों एक ही व्यवसाय के हैं, मैं नाव से पार उतारता हूं, आप भवसागर से। श्रीराम ने उसके इस निस्वार्थ प्रेम को सम्मान दिया और उसे गले लगा लिया। भरत मिलाप प्रसंग में त्याग और कर्तव्य की पराकाष्ठा दिखाई देती है। चित्रकूट में जब भरत अपनी सेना और माताओं के साथ श्रीराम को वापस अयोध्या ले जाने आते हैं, तो वह दृश्य भ्रातृ प्रेम का विश्वकोश बन जाता है। भरत को लगता था कि उनके कारण श्रीराम को कष्ट हुआ है। वे नंगे पैर चलकर श्रीराम के पास पहुंचे। वाल्मीकि लिखते हैं कि जैसे ही श्रीराम ने धूल से धूसरित भरत को देखा, वे दौड़कर उनसे लिपट गए। यहां श्रीराम अपनी राजसी गरिमा भूलकर केवल एक बड़े भाई बन गए। भरत ने श्रीराम से प्रार्थना की कि वे अयोध्या लौटें और राज्य संभालें। राम के सामने दो मर्यादाएं थीं- एक तरफ छोटे भाई का प्रेम और दूसरी तरफ पिता का वचन। श्रीराम ने भरत को समझाते हुए कहा कि पिता की आज्ञा का पालन करना ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने भरत से कहा-

यद् यथा पित्रा कथितं, तत् तथा कर्तव्यम ।
अर्थात- पिता ने जैसा कहा, वैसा ही करना चाहिए।

अंत में, भरत ने राम की खड़ाऊँ अर्थात पादुका माँगी। राम ने अपनी पादुकाएं दे दीं, जिन्हें भरत ने अपने सिर पर रखा। यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि उन्होंने राज्य का मोह नहीं किया, और भरत की मर्यादा यह कि उन्होंने सिंहासन पर न बैठकर, राम की पादुकाओं को प्रतिनिधि मानकर 14 वर्ष तक तपस्वी का जीवन जीया। ये दोनों प्रसंग सिखाते हैं कि शक्ति और सत्ता होने के बावजूद सामान्य जन के प्रति प्रेम और सम्मान रखना चाहिए। अपनों के लिए और सत्य के लिए बड़े से बड़े पद का त्याग कर देना चाहिए। शबरी प्रसंग और हनुमान मिलन की घटनाएं श्रीराम के जीवन में प्रेम और मैत्री की पराकाष्ठा को दर्शाती हैं। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में वर्णित शबरी का प्रसंग सिद्ध करता है कि श्रीराम के लिए जाति, कुल या सामाजिक स्थिति का कोई महत्व नहीं था। उनके लिए केवल भाव प्रधान था। शबरी एक वृद्ध तपस्विनी थीं, जो मतंग ऋषि के आश्रम में रहती थीं। उन्होंने वर्षों तक केवल इस विश्वास पर प्रतीक्षा की कि उनके गुरु के वचनों के अनुसार राम यहां अवश्य आयेंगे। जब श्रीराम और लक्ष्मण वहां पहुंचे, तो शबरी ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार कंद-मूल और फल अर्पित किए। वाल्मीकी लिखते हैं कि राम ने उन फलों को बड़े चाव से ग्रहण किया। यह राम की मर्यादा थी कि उन्होंने एक वनवासी वृद्धा के प्रेमपूर्ण निमंत्रण को राजसी भोग से ऊपर रखा। राम ने शबरी को साध्वी कहकर संबोधित किया और उनसे उनके तप के बारे में पूछा। यह दर्शाता है कि राम स्त्री शक्ति और उनकी तपस्या का कितना सम्मान करते थे। किष्किंधा कांड में अंकित श्रीराम- हनुमान मिलन प्रसंग विवेक और परख का अद्भुत उदाहरण है। हनुमान श्रीराम की वास्तविकता जानने के लिए एक भिक्षुक ब्राह्मण का रूप धरकर आए थे। उन्होंने बड़े ही चतुर और विद्वतापूर्ण तरीके से श्रीराम से उनका परिचय पूछा। हनुमान के बोलने के ढंग से श्रीराम अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने लक्ष्मण से कहा-

नूनं व्याकरणं कृत्स्नमनेन बहुधा श्रुतम्।

अर्थात- निश्चित ही इन्होंने संपूर्ण व्याकरण का अनेक बार अध्ययन किया है। श्रीराम ने हनुमान की वाणी में शुद्धता और विनय को तुरंत पहचान लिया।

जब हनुमान ने अपना असली रूप प्रकट किया और राम के चरणों में गिरे, तो श्रीराम ने उन्हें उठाकर गले लगा लिया। यह एक स्वामी और सेवक का मिलन नहीं, बल्कि दो महान आत्माओं का मिलन था। इसी मिलन ने आगे चलकर सुग्रीव के साथ मित्रता और रावण के विरुद्ध विजय की नींव रखी। इस प्रकार शबरी प्रसंग सिखाता है कि ईश्वर केवल प्रेम के भूखे हैं, वे आडंबर के नहीं। हनुमान मिलन सिखाता है कि योग्य व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी और उसके आचरण से होती है।

श्रीराम के जीवन का चर्मोत्कर्ष लंका विजय और उसके उपरान्त राम-राज्य की स्थापना में निहित है। वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड और उत्तर कांड में अंकित इन प्रसंगों का वर्णन एक आदर्श शासक की मर्यादा को परिभाषित करता है। रावण के वध के बाद श्रीराम की मर्यादा और नीति का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि उन्होंने लंका पर अपना अधिकार नहीं जमाया। श्रीराम ने रावण को पराजित किया, लेकिन वे लंका के राजा नहीं बने। उन्होंने तुरंत लक्ष्मण को आदेश दिया कि विभीषण का राज्याभिषेक किया जाए। जब लक्ष्मण ने लंका की भव्यता और सोने की नगरी को देखकर उसकी प्रशंसा की, तब श्रीराम ने वह प्रसिद्ध श्लोक कहा था-

अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।।

अथात -हे लक्ष्मण! भले ही यह लंका सोने की है, पर मुझे इसमें रुचि नहीं है। माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।

यह उनकी अपनी जन्मभूमि अयोध्या के प्रति निष्ठा और पराई संपत्ति के प्रति अनासक्ति को दर्शाता है। श्रीराम का राज्याभिषेक केवल एक व्यक्ति का सत्तासीन होना नहीं था, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था का जन्म था, जिसे आज भी राम-राज्य के रूप में याद किया जाता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार राम-राज्य की मुख्य विशेषताओं में भयमुक्त समाज, समानता और न्याय, प्राकृतिक संपन्नता शामिल है। कहा गया है-

न पर्यदेवन् विधवा न च व्यालकृतं भयम।

अर्थात- राम के राज्य में कोई विधवा विलाप नहीं करती थी और न ही किसी को जंगली जानवरों या चोरों का डर था।

समाज में ऊँच-नीच का भेद नहीं था। राजा स्वयं को जनता का सेवक मानता था। राम प्रतिदिन प्रजा की समस्याओं को सुनने के लिए उपस्थित रहते थे। कहा जाता है कि राम-राज्य में समय पर वर्षा होती थी, वृक्ष सदा फलों से लदे रहते थे और कोई भी अल्पायु में मृत्यु को प्राप्त नहीं होता था। यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति एक आदर्श समाज का चित्रण है। अग्नि परीक्षा और सीता का त्याग प्रसंग सबसे अधिक चर्चा और विवाद का विषय रहता है, किन्तु वाल्मीकि रामायण के संदर्भ में इसे लोक-मर्यादा के चश्मे से देखा जाता है। एक पति के रूप में श्रीराम को सीता की पवित्रता पर पूर्ण विश्वास था, लेकिन एक राजा के रूप में वे अपनी प्रजा के प्रति उत्तरदायी थे। जब समाज के एक वर्ग ने उंगली उठाई, तो श्रीराम ने व्यक्तिगत सुख अर्थात सीता का साथ का बलिदान देकर राजधर्म की मर्यादा को ऊपर रखा। उन्होंने स्वयं के हृदय पर पत्थर रखकर यह निर्णय लिया ताकि भविष्य में कोई यह न कह सके कि राजा ने अपने परिवार के लिए नियमों की अनदेखी की। यह उनकी कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा थी, भले ही इसमें उनका व्यक्तिगत जीवन बिखर गया। वाल्मीकि रामायण के श्रीराम कोई चमत्कार करने वाले ईश्वर के रूप में नहीं, बल्कि अपनी इच्छाशक्ति से देवत्व प्राप्त करने वाले एक श्रेष्ठ पुरुष के रूप में चित्रित हैं।

सीवर कार्यों से टूटी सड़कें यात्रा सीजन में बनेंगी बाधा: सेठी

हरिद्वार । सीवर लाइन से जुड़े कामों ने शहर की प्रमुख सड़कों की हालत खस्ता कर दी है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने डीएम से जल्द मरम्मत की मांग उठाई है। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में उत्तरी हरिद्वार और अपर रोड जैसी व्यस्त सड़कें चलने लायक नहीं रह गई हैं। शनिवार को सेठी ने बताया कि कई जगह गड्ढे, उखड़ी सड़कें और धूल के कारण व्यापारियों और श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह सड़कें टूटने से जाम की स्थिति बन रही है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने चेताया कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान स्थिति और खराब हो सकती है। अभी से स्थानीय लोगों के साथ ही बाहर से आने वाले श्रद्धालु परेशान हैं। सेठी ने कहा कि सड़कों पर उड़ रही धूल से लोग बीमार हो रहे हैं, जबकि व्यापारियों का सामान भी खराब हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से जनहित में शीघ्र सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

कुशा घाट मार्ग पर नए झूला पुल की मांग को लेकर व्यापारियों का प्रदर्शन

हरिद्वार । कुशाघाट मार्ग पर पुराने बिजलीघर की जगह गंगा में नए झूला पुल के लिए व्यापारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ईमेल के जरिये ज्ञापन भी भेजा। इसके साथ ही, चेताया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन होगा। शनिवार को पुरानी सब्जी मंडी चौक, मोती बाजार और आसपास के व्यापार मंडल ने कृषि उत्पादन मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में आवाज बुलंद की। चोपड़ा ने कहा कि वर्ष 2010 के कुंभ मेले के दौरान लोक निर्माण विभाग इस जगह पुल का सर्वे कर चुका है। आगामी कुंभ मेले को देखते हुए यहां झूला पुल का निर्माण बेहद जरूरी है। इससे हरिद्वार की सुंदरता बढ़ेगी और चारधाम यात्रा समेत तमाम मेलों के दौरान भीड़ नियंत्रण में मदद मिलेगी। इस दौरान मोहित गर्ग, राहुल वर्मा, सुंदरलाल राजपूत, संजय भारद्वाज, शोभराज सिंह, अवधेश कोटियाल, राजेश दुआ, संजय बंसल, राधेश्याम रतूड़ी, नितिन, संजय पवार, गोपाल कृष्ण, मनोज, मुकेश और अमित रतूड़ी सहित कई व्यापारी शामिल रहे।सरकार से तीसरे पुल की पैरवीमोती बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री राजेश खुराना ने बताया कि मेला प्रशासन गंगा पर दो नए पुलों का निर्माण कर रहा है।

गैस एजेंसी के डिलीवरी कर्मचारियों ने की हड़ताल

हरिद्वार । गैस सिलेंडर वितरण कर्मचारियों की एक दिनी हड़ताल से शहर में सप्लाई ठप हो गई। सैकड़ों उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल सके और भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह सिंहद्वार स्थित पुष्पक गैस एजेंसी के सैकड़ों डिलीवरी कर्मचारी अचानक हड़ताल पर चले गए। बाद में दूसरी एजेंसियों के कर्मचारी भी इस आंदोलन से जुड़ गए, जिस कारण शहरभर में गैस वितरण प्रभावित हो गया। इन कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ लोग खुद को पत्रकार बताकर उनको ब्लैकमेल कर रहे हैं। बीते शुक्रवार को आर्यनगर क्षेत्र में एक कर्मचारी को रोककर सिलेंडर का वजन कराने की जिद की गई। विरोध करने पर गैस कम होने का आरोप लगाकर एजेंसी बंद कराने की धमकी दी गई और दो लाख रुपये की मांग की गई। कर्मचारियों ने बताया कि इस मामले में तथाकथित पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। 1000 सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित: डिलीवरी कर्मचारी प्रतिदिन करीब 1000 उपभोक्ताओं तक गैस सिलेंडर पहुंचाते हैं। लेकिन, शनिवार को हड़ताल के चलते यह व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना काल में भी उन्होंने घर-घर गैस पहुंचाई, लेकिन अब उनके साथ इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जो सही नहीं है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा और उचित कार्रवाई की मांग की है।

दो घंटे पोर्टल बंद होने से उपभोक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ी

हरिद्वार । आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल कंपनियों की गैस एजेंसियों पर बुधवार को ऑनलाइन पोर्टल बंद हो गया। इस दौरान उपभोक्ताओं की गैस एजेंसियों पर लंबी लाइनें लग गई। पोर्टल बंद होने के बाद गैस सिलेंडर की सप्लाई और बुकिंग भी प्रभावित हो गई। दिन में उपभोक्ताओं और गैस एजेंसी प्रबंधकों को दो घंटे तक बड़ी परेशानी उठानी पड़ी। बुधवार को दोपहर 12 बजे के करीब गैस एजेंसियों का ऑनलाइन पोर्टल बंद होने के बाद उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवरी की पर्ची नहीं मिली। इस कारण उपभोक्ता सिलेंडर की पर्ची लेने के लिए लाइनों में लग गए। एजेंसियों पर भीड़ बढ़ती देख प्रबंधकों के हाथ पांव फूलने लगे। मौके पर एजेंसियों के प्रबंधक और कर्मचारी उपभोक्ताओं को पोर्टल चालू होने के बाद ही नियमानुसार सिलेंडर की पर्ची जारी करने की दलील देते रहे। करीब दो घंटे पर एजेंसियों पर ऑनलाइन पोर्टल चालू हो सका। इसके बाद एजेंसी प्रबंधकों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। पोर्टल चालू होने के बाद उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवरी की पर्ची जारी की गई। पुष्पक गैस एजेंसी के प्रबंधक राकेश सिंह ने बताया कि दिन में पोर्टल दो घंटे तक बंद रहा। इस कारण बड़ी दिक्कत उठानी पड़ी।तहसीलदार ने निरीक्षण किया । जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को गैस एजेंसियों पर ऑनलाइन पोर्टल बंद होने की सूचना मिली। सूचना पर डीएम ने तहसीलदार सचिन को एजेंसियों का निरीक्षण करने के निर्देश जारी किए। तहसीलदार ने शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। मौके पर उपभोक्ताओं से संयम बरतने की अपील की गई।

आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं भुवनेश्वरी महिला आश्रम ने आयोजित किया भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम

हरिद्वार । जिला आपदा प्रबंधन सभागार में आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक सहभागिता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना रहा, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस विशेष अवसर पर शिवालिक नगर वार्ड में कार्यरत मोहल्ला समितियों की महिलाओं, स्वच्छता कार्य में संलग्न स्वच्छ दूतों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह ने न केवल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि समाज में सकारात्मक कार्यों को पहचान देने की प्रेरणा भी दी। सम्मानित व्यक्तियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।

कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, शिवालिक नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी तारीख खान एवं स्वच्छता नोडल अधिकारी तथा स्वजल परियोजना प्रबंधक चंद्र मणि त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने अपने संबोधन में जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं प्रभावी जल प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उनके विचारों ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रेरित किया। विश्व जल दिवस प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जल के महत्व को समझाना एवं इसके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। वर्ष 2026 की थीम 'जल एवं लैंगिक समानता' रही, जो यह दर्शाती है कि जल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाएं जल संग्रहण, उपयोग एवं संरक्षण की मुख्य आधार होती हैं, इसलिए उनके सशक्तिकरण के बिना जल संरक्षण के प्रयास अधूरे हैं।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वर्षा जल संचयन, जल का समुचित उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने तथा सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। यह भी बताया गया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर जल बचाने का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम द्वारा स्वच्छता एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य न केवल सराहनीय हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन संस्थाओं द्वारा महिलाओं, युवाओं एवं समुदाय के अन्य वर्गों को जोड़कर जागरूकता फैलाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस कार्यक्रम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अन्नैकी एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय नवोदय नगर के छात्रों द्वारा जो की चाइल्ड कैबिनेट के सदस्य हैं ने जल संरक्षण के ऊपर अपने विचार रखें जिन्होंने जिन्हें उपस्थित जन समुदाय द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा जल संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी एवं सहभागिता की भावना को भी सुदृढ़ करने में सफल सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम में आईटीसी मिशन सुनहरा कल द्वारा समर्थित संस्थाएं प्रथम एजुकेशन फाऊंडेशन, लोकमित्र, प्रथम इन्फोटेक, मैजिक बस फाउंडेशन, बंधन कोननगर, के कार्यकर्ताओं द्वारा सक्रिय भागीदारी निभाई गई।

पुलिस अभिरक्षा में हुई मौत के मामले में सैंपल सुरक्षित

हरिद्वार । सिडकुल थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत के दौरान हुई आरोपी की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है। हालांकि, पुलिस ने एहतियातन हृदय का सैंपल सुरक्षित रखकर विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेज दिया है। एसीजेएम न्यायालय में विभिन्न मामलों में फर्जी तरीके से जमानत के लिए शपथ पत्र दाखिल करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को उज्जवल सिंह, नरेंद्र, कमलेश और नरेश को हिरासत में लिया था। देर रात होने के कारण उन्हें अदालत में पेश नहीं किया जा सका। मंगलवार सुबह पुलिस चारों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए रोशनाबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। इसी दौरान 47 वर्षीय नरेश पुत्र चंद्रभान निवासी रावली महदूद की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसने पहले पेट दर्द और फिर सीने में तेज दर्द की शिकायत की। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया गया और इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी सिडकुल नितेश शर्मा ने बताया कि बुधवार को प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की अन्य पहलुओं से भी जांच जारी है और हृदय का सैंपल एफएसएल भेजा गया है।

कुंभ मेला: श्रद्धालुओं के साथ ही मेला ड्यूटी पर आने वाले पुलिसकर्मियों के लिए भी बेहतर सुविधाओं पर फोकस

हरिद्वार । कुंभ मेला-2027 में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही बाहर से मेला ड्यूटी पर आने वाले पुलिसकर्मियों की सुविधाओं पर भी शासन-प्रशासन ने विशेष ध्यान केंद्रित किया है। मेला ड्यूटी के दौरान तैनात किए जाने वाले पुलिस एवं अग्निशमन कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थायी बैरकों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त बैरकों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। रोशनाबाद स्थित पुलिस लाइन में महिला पुलिसकर्मियों के लिए 100 बेड क्षमता की बैरक का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका कार्य प्रगति पर है। यह बैरक विशेष रूप से महिला कर्मियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है, जिसमें सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसके अलावा ऋषिकेश स्थित भद्रकाली पुलिस चौकी में भी पुलिसकर्मियों के लिए बैरक का निर्माण किया जा रहा है।

कुंभ मेला की व्यवस्थाओं के तहत हरिद्वार में पुलिसकर्मियों के लिए 300 बेड क्षमता की एक बड़ी बैरक के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। इसके साथ ही अग्निशमन कर्मियों के लिए अलग से बैरकों के निर्माण की योजना है, ताकि आपातकालीन सेवाओं में लगे कर्मचारियों को भी बेहतर सुविधा मिल सके। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद कुंभ मेला, कांवड़ मेला तथा वर्षभर आयोजित होने वाले प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान अन्य जिलों एवं राज्यों से आने वाले सुरक्षा कर्मियों को रहने की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कुंभ मेला व्यवस्थाओं के अंतर्गत प्रस्तावित बैरकों के लिए उपयुक्त स्थान के चयन की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका के निर्देशानुसार अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने संबंधित अधिकारियों की टीम के साथ बैरागी कैंप स्थित घोड़ा पुलिस लाइन तथा मायापुर स्थित फायर स्टेशन परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों के निर्माण के लिए उपलब्ध भूमि, पहुंच मार्ग, यातायात की सुगमता तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का गहन अध्ययन किया। अपर मेलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बैरकों के लिए ऐसे स्थान का चयन किया जाए, जहां पर्याप्त जगह उपलब्ध हो और वहां से मेला क्षेत्र के भीड़-भाड़ वाले केंद्रों तक कम समय में आसानी से पहुंचा जा सके। अपर मेलाधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित स्थलों के संबंध में रिपोर्ट मेलाधिकारी को प्रस्तुत कर अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। ताकि निर्माण कार्य को समय से पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक जे.आर. जोशी, मेला कार्यालय के तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार सहित पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग एवं पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम के कई अधिकारी उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्र : कुमारी पूजन और देवी दर्शन से खुश होती है मां

डॉ श्रीगोपाल नारसन

वासंतिक नवरात्र पर मां को खुश करने का फलदायी महत्व है।तभी तो देवी उपवास में कुमारी पूजन को परम आवश्यक माना गया है। तभी तो श्री दुर्गा सप्तशती का विधिपूर्वक पूजन करने के लिए मंत्र

'नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।'उच्चारित कर

पंचोपचार पूजन करके यथाविधि श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। सामर्थ्य हो तो नवरात्रि में प्रतिदिन, अन्यथा समाप्ति के दिन नौ कुमारियों के चरण धोकर उन्हें देवी रूप मानकर गंध-पुष्पादि से अर्चन कर श्रद्धा भाव के साथ यथारुचि मिष्ठान भोजन कराना चाहिए एवं वस्त्रादि से उनका सत्कार करना चाहिए।

कुमारी पूजन में दस वर्ष तक की कन्याओं का अर्चन विशेष महत्व रखता है। दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छः वर्ष की काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शाम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष वाली सुभद्रा स्वरूपा मानी जाती है।

दुर्गा पूजा में प्रतिदिन की पूजा का विशेष महत्व है जिसमें प्रथम शैलपुत्री से लेकर नवम? सिद्धिदात्री तक नव दुर्गाओं की नव शक्तियों का और स्वरूपों का विशेष अर्चन किया जाता है।

दुर्गा सप्तशती की व्याख्या करे तो

दुर्गा अर्थात दुर्ग शब्द से दुर्गा बना है , दुर्ग =किला ,स्तंभ , शप्तशती अर्थात सात सौ जिस ग्रन्थ को सात सौ श्लोकों में समाहित किया गया हो उसका नाम शप्तशती है ।

जो कोई भी इसका पाठ करेगा 'माँ जगदम्बा' की उसके ऊपर असीम कृपा होती है ऐसी मान्यता है ।

इस बारे में एक कथा भी है कि 'सुरथ और 'समाधी 'नाम के राजा एवं वैश्य का मिलन किसी वन में होता है ,और वे दोनों अपने मन में विचार करते हैं, कि हमलोग राजा एवं सभी संपदाओं से युक्त होते हुए भी अपनों से विरक्त हैं ,किन्तु यहाँ वन में, ऋषि के आश्रम में, सभी जीव प्रसन्नता पूर्वक एकसाथ रहते हैं 7 यह आश्चर्य लगता है ,कि क्या कारण है ,जो गाय के साथ सिंह भी निवास करता है, और कोई भय नहीं है,जब हमें अपनों ने परित्याग कर दिया, तो फिर अपनों की याद क्यों आती है ?

उन्हें ऋषि के द्वारा यह ज्ञात होता है ,कि यह उसी ' महामाया ' की कृपा है ,जिसे मां दुर्गा के रूप में पूरा संसार जानता है।इस पर वे दोनों ' दुर्गा' की आराधना करते हैं ,और 'शप्तशती ' के बारहवे अध्याय में आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ,और अपने परिवार से उनका मिलन भी हो जाता हैं ।

दुर्गा सप्तशती पाठ करने से अलग अलग अध्य्याय का अलग अलग लाभ बताया गया है।जैसे प्रथम अध्याय- हर प्रकार की चिंता मिटाने के लिए।

द्वितीय अध्याय- मुकदमा झगडा आदि में विजय पाने के लिए।

तृतीय अध्याय- शत्रु से छुटकारा पाने के लिये।

चतुर्थ अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिये।

पंचम अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिए।

षष्ठम अध्याय- डर, शक, बाधा हटाने के लिये।

सप्तम अध्याय- हर कामना पूर्ण करने के लिये।

अष्टम अध्याय- मिलाप व वशीकरण के लिये।

नवम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।

दशम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।

एकादश अध्याय- व्यापार व सुख-संपत्ति की प्राप्ति के लिये।

द्वादश अध्याय- मान-सम्मान तथा लाभ प्राप्ति के लिये।

त्रयोदश अध्याय- भक्ति प्राप्ति के लिये।लेकिन चिंतन का विषय यह भी है कि इतनी पूजा पाठ के बाद भी आज शायद ही ऐसा कोई धर हो या बस्ती जहां नारी जिसे देवी माना गया है वह स्वयं को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सके। जबकि नारी के बिना समाज की कल्पना नही की जा सकती।पुरूष प्रधान कहे जाने वाले इस समाज में नारी देवी के रूप में पुजनीय है। नारी को शक्ति स्वरूपा भी कहा गया है। लेकिन जब नारी को सम्मान देने की बारी आती है तो लोगो का पुरूषोत्व जाग उठता है और नारी फिर भोग्या समझ ली जाती है। हालाकि देश में रानी लक्ष्मीबाई समेत अनेक ऐसी विरांगनाएं हुई हैं, जिन्होंने राष्टभक्ति और बहादुरी का इतिहास रचा तथा नारी को आत्मस्वाभिमान के सिहासंन पर बैठाया। वहीं नारी को ममता की मूरत बताते हुए उसे कोमल हृदय कहा जाता है।लेकिन फिर भी नारी का सम्मान और उसका अस्तित्व खतरे में है। नारी को या तो कन्या भ्रूण हत्या के रूप में जन्म लेने से पहले ही समाप्त किया जा रहा है या फिर उसे दहेज की बलिवेदी पर जिंदा जला दिया जाता है। हद तो यह है कि नारी को जन्म लेने से पहले ही मार डालने और अगर जिंदा बच जाए तो विवाह होने पर दहेज के लिए प्रताडित करने में अधिकतर नारियों की भूमिका रहती है। हालांकि कहीं कहीं पुरूष भी पति देवर जेठ व ससुर के रूप में नारी को प्रताडित करने से बाज नहीं आते।सबसे पहले हमें अपने घर,आसपास, गांव शहर जहां भी नारी वजूद में है,उनका सम्मान करना चाहिए ,तभी नवरात्र का आध्यात्मिक व धार्मिक महत्व सार्थक हो सकता है।मौजूदा वासंतिक नवरात्र को सार्थक करने के लिए शास्त्रो में नवरात्र के पहले दिन मुखनिर्मालिका देवी के दर्शन का विधान है। कहते हैं देवी के निर्मल मुख के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होता है। शक्ति के उपासक इस दिन शैलपुत्री देवी का दर्शन भी करते हैं।

दूसरा स्थान ज्येष्ठा गौरी का है। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन पूजन से व्यक्ति की समस्त सद्कामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन-पूजन से मुख्यतः व्यक्ति के हृदय में धर्म के प्रति अनुराग बढ़ता है। वासंतिक नवरात्र की तृतीया तिथि पर सौभाग्य गौरी के दर्शन का विधान है। देवी के इस स्वरूप के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में सौभाग्य की वृद्धि होती है। कहते हैं 108 दिन लगातार देवी के दर्शन से मनोरथ विशेष अवश्य पूर्ण होता है। वासंतिक नवरात्र की चतुर्थी तिथि पर श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। मूलतः श्रृंगार गौरी वैभव और सौंदर्य की देवी हैं।

गौरी के विशालाक्षी स्वरूप का दर्शन पूजन वासंतिक नवरात्र में पंचमी तिथि पर किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि देवी विशालाक्षी के दर्शन से जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं। देवी का कमल के पुष्प अति प्रिय हैं।

वासंतिक नवरात्र की षष्ठी तिथि पर ललिता गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति को ललित कलाओं में विशेष उपलब्धि प्राप्त होती है। अड़ुहुल का फूल देवी को विशेष रूप से प्रिय है।

वासंतिक नवरात्र के सातवें दिन भवानी गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है।बहुत से लोग इस दिन कालरात्रि देवी के दर्शन-पूजन भी करते हैं।

वासंतिक नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मंगला गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है। देवी के दुर्गा स्वरूप की आराधना करने वाले भक्त इस दिन महागौरी अन्नपूर्णा के दर्शन करते हैं। मंगला गौरी का एक मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर में भी है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति के समस्त प्रकार के अमंगलों का क्षय हो जाता है।

वासंतिक नवरात्र के अंतिम दिन नवमी तिथि पर महालक्ष्मी गौरी के दर्शन-पूजन का विधान है। कहते हैं किसी भी नवमी तिथि पर देवी के दर्शन का फल कई गुना बढ़ जाता है। देवी की कृपा होने पर व्यक्ति को धन की कमी नहीं होती।लेकिन इस पूजा और देवी दर्शन का तभी लाभ है जब हम कन्या की रक्षा और उसके सम्मान का संकल्प आज के दिन ले।तभी शक्ति स्वरूपा देवी मां प्रसन्न होकर आपका मनोयोग पूर्ण करेगी।

प्रसन्नता का वैश्विक संकल्प और भारतीय संदर्भ

ललित गर्ग

मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है-धन, वैभव, पद या प्रतिष्ठा। इन सबके पार जाकर यदि कोई तत्व जीवन को वास्तविक अर्थ देता है तो वह है खुशी। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया और 2013 से यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि एक वैश्विक चेतना का विस्तार है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और उसके बिना विकास अधूरा है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहें है', जो हमें यह संदेश देती है कि खुशी का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत संतोष नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद और सामाजिक जुड़ाव में निहित है। पिछले वर्षों में 'साथ मिलकर खुश रहना' और 'खुशी बाँटना' शामिल थे, जो लोगों को दयालुता और मित्रता के माध्यम से खुशियां फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। 2026 का विषय है 'देखभाल और साझा करना' जो इस बात पर ज़ोर देता है कि स्थायी खुशी एक-दूसरे की देखभाल करने, जुड़ाव महसूस करने और एक समुदाय का हिस्सा होने से मिलती है। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह आंकड़ा पहली दृष्टि में चिंताजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकताओं को समझना भी आवश्यक है। भारत जैसा विशाल, बहुविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता देश, जिसकी जनसंख्या विश्व में शीर्ष पर है, उसकी तुलना छोटे और कम जटिल देशों से करना कितना उचित है, यह विचारणीय है। जिन देशों को शीर्ष पर रखा गया है, वहां आबादी कम है, सामाजिक संघर्ष सीमित हैं और प्रशासनिक समस्याएं अपेक्षाकृत सरल हैं। इसके विपरीत भारत में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, असमानता और क्षेत्रीय विषमताओं जैसी जटिल समस्याएं हैं, जिनसे निपटना एक बड़ा दायित्व है। फिर भी भारत ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक का सशक्त होना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल आय, सामाजिक सुरक्षा और जीवन प्रत्याशा जैसे संकेतकों के आधार पर ही खुशी को मापा जाना उचित है? क्या सांस्कृतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को नजरअंदाज कर देना न्यायसंगत है? भारतीय संस्कृति में खुशी का अर्थ बाहरी संसाधनों से अधिक आंतरिक संतोष से जुड़ा है। यहां 'संतोष परम सुखम्' का सिद्धांत जीवन का आधार रहा है। भारतीय दर्शन यह सिखाता है कि इच्छाओं की असीमित पूर्ति नहीं, बल्कि इच्छाओं का संयम और आत्मनियंत्रण ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग है। आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में हमने खुशी को वस्तुओं और सुविधाओं से जोड़ दिया है। नई वस्तु मिलने पर क्षणिक प्रसन्नता अवश्य मिलती है, लेकिन वह जल्दी ही समाप्त हो जाती है और उसके स्थान पर नई इच्छाएं जन्म ले लेती हैं। इस प्रकार व्यक्ति एक अंतहीन दौड़ में उलझ जाता है, जहां संतोष का कोई ठहराव नहीं होता। खुशी का वास्तविक पैमाना यह नहीं है कि हमारे पास कितना है, बल्कि यह है कि हम जो कुछ है, उसमें कितना संतुष्ट और कृतज्ञ हैं। एक प्रसन्न समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आशावान महसूस करें। आर्थिक अवसरों की समानताएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलताएं सामाजिक संबंधों की मजबूती और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा-ये सभी तत्व मिलकर खुशहाली का आधार बनाते हैं।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

जन-जन की सरकार 4 साल बेमिसाल
उत्तरोत्तर विकास पथ पर अग्रसर
उत्तराखण्ड

> प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन रहा है। स्थानीय उत्पाद, बेहतर कनेक्टिविटी, उद्योग एवं निवेश तथा हर मौसम पर्यटन सहित देवभूमि अपनी अलौकिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम छू रही है।
>
> **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

> 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।
>
> **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

विरासत भी, विकास भी

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी

- केदारनाथ–हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना
- दिल्ली–देहरादून एलिवेटेड रोड निर्माण
- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन प्रगति पर
- टनकपुर–बागेश्वर रेल सर्वे स्वीकृत
- सौंग व जमरानी बांध परियोजना
- पर्वतीय जिलों में हेली सेवा विस्तार

अर्थव्यवस्था, निवेश एवं उद्योग

- ₹3.56 लाख करोड़ निवेश समझौते
- ₹1 लाख करोड़+ ग्राउंडिंग
- अर्थव्यवस्था 26 गुना वृद्धि
- ₹1.11 लाख करोड़+ वार्षिक बजट
- खुरपिया में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप
- हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड

हरित ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास

- 1 गीगावाट+ सौर ऊर्जा क्षमता
- 42,000+ सोलर रूफटॉप
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (सीमांत गांव विकास)
- महक क्रांति व मिलेट्स मिशन

संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण

- केदारनाथ–बदरीनाथ मास्टर प्लान
- मानसखण्ड मंदिर माला मिशन
- शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ
- संस्कृत ग्राम पहल
- गीता अध्ययन पाठ्यक्रम में शामिल
- दून विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन केंद्र
- स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन (गढ़वाल–कुमाऊं)

सुशासन

- 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान
- 30,000+ युवाओं को सरकारी नौकरी
- 950+ सेवाएं ऑनलाइन (अपुणि सरकार पोर्टल)
- 12,000 एकड़ अतिक्रमण मुक्त
- पेंशन योजनाओं में वृद्धि एवं मासिक भुगतान

बड़े निर्णय

- समान नागरिक संहिता
- सशक्त भू-कानून
- सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून
- नकल विरोधी कानून
- अग्निवीरों को 10% क्षैतिज आरक्षण

संकल्प से शिखर तक

नेशनल लेवल रैंकिंग व प्रोत्साहन

- निर्यात तैयारी सूचकांक में प्रथम (छोटे राज्य)
- एसडीजी इंडेक्स में शीर्ष स्थान
- स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर'
- खनन सुधारों में देश में दूसरा स्थान
- शहरी सुधारों हेतु ₹264.5 करोड़ प्रोत्साहन

नीतिगत सुधार

30 से अधिक नीतियां

- औद्योगिक नीति, पर्यटन एवं योग नीति
- नई फिल्म नीति (50% तक सब्सिडी)
- मिलेट्स नीति, कीवी नीति (70% अनुदान)
- ड्रैगन फ्रूट प्रोत्साहन योजना
- महक क्रांति 2026-36
- महिला स्वरोजगार एवं लखपति दीदी योजना आदि

प्रधानमंत्री जी के नौ आग्रह

स्थानीय लोगों से: बोली–भाषा का संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छ जल, गांव से जुड़ाव, तिबारी वाले घरों को संवारें
पर्यटकों से: प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें, वोकल फॉर लोकल, यातायात के नियम अपनाएं, तीर्थों की मर्यादा का पालन करें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

धुरंधर 2 एडवांस बुकिंग: रिलीज से पहले हो रही मोटी कमाई, तोड़ा पेड प्रीव्यू का रिकॉर्ड

धुरंधर 2 की एडवांस बुकिंग के आंकड़े फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त हलचल मचा रहे हैं. रणवीर सिंह स्टारर इस मोस्ट अवेटेड एक्शन सीक्वल ने रिलीज से पहले ही शानदार शुरुआत कर दी है. हालांकि फिल्म को सिनेमाघरों में आने में अभी कई दिन बाकी हैं, लेकिन शुरुआती टिकटों की बिक्री से पता चलता है कि दर्शक इस सीक्वल को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं.

धुरंधर: द रिवेंज नामक यह फिल्म पिछले साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का दूसरा भाग है. आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह सीक्वल 19 मार्च, 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी. फिल्म का पेड प्रीव्यू रिलीज से एक दिन पहले 18 मार्च को शुरू होगा.

सैकनिल्क के अनुसार, भारत में प्रीमियर शो से धुरंधर 2 की एडवांस बुकिंग ने पहले ही 12.29 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म अब तक 2.06 लाख से अधिक टिकट बेच चुकी है. ब्लॉक सीटों को भी शामिल करने पर, प्रीमियर शो के लिए कुल कमाई लगभग 18.1 करोड़ रुपये तक पहुंची है. ये आंकड़े खासतौर से प्रभावशाली हैं क्योंकि फिल्म के प्रीमियर में अभी भी लगभग 9-10 दिन बाकी हैं.

हिंदी वर्जन में कमाई सबसे आगे है. लगभग 1.94 लाख टिकटों की बिक्री से इसने करीब 12.07 करोड़ रुपये कमाए हैं.

तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में बुकिंग फिलहाल कम है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ इन बाजारों में बुकिंग बढ़ सकती है.

विदेशों में भी फिल्म को लेकर जबरदस्त दिलचस्पी दिख रही है. अकेले अमेरिका में ही फिल्म के 550 से अधिक सिनेमाघरों में 38,500 से ज़्यादा टिकट बिक चुके हैं. अमेरिकी प्रीमियर से कुल कमाई लगभग 618,911 डॉलर तक पहुंच गई है, जो लगभग 5.15 करोड़ रुपये के बराबर है. ये आंकड़े फिल्म की वैश्विक स्तर पर जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाते हैं.

फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि इसने बॉलीवुड प्रीमियर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना लिया है. पिछला रिकॉर्ड हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के नाम था, जिसने अपने पेड प्रीव्यू शो से लगभग 10 करोड़ रुपये की कमाई की थी. धुरंधर: द रिवेंज ने सिर्फ एडवांस बुकिंग के जरिए ही इस आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है.

हालांकि, अगला बड़ा लक्ष्य इससे भी कहीं अधिक बड़ा है. भारत में पेड प्रीव्यू का रिकॉर्ड फिलहाल पवन कल्याण अभिनीत फिल्म ओजी के नाम है, जिसने अपने प्रीमियर शो से लगभग 25 करोड़ रुपये कमाए थे. ट्रेड विश्लेषक अब इस बात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं कि क्या धुरंधर 2 प्रीव्यू शो शुरू होने तक इस मुकाम तक पहुंच पाएगी या इसे पार भी कर पाएगी.

पहली फिल्म की अपार लोकप्रियता को देखते हुए इस तरह की जबरदस्त प्रतिक्रिया कोई आश्चर्य की बात नहीं है. पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई धुरंधर 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई. इसने पुष्पा 2: द रूल को भी पीछे छोड़ते हुए अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड बना लिया.

हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर ने भी फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है. यह फिल्म अंडरकवर एजेंट जसकिरत सिंह रंगी, उर्फ हमजा अली मजारी की कहानी को आगे बढ़ाती है. इस सीक्वल में, गैंगस्टर रहमान डकैत की मौत के बाद, कराची के लयारी के आपराधिक अंडरवर्ल्ड में उनके उदय को दिखाया गया है. रहमान डकैत का किरदार पहली फिल्म में अक्षय खन्ना ने निभाया था.

इस सीक्वल में संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, यामी गौतम और सारा अर्जुन सहित कई दमदार कलाकार हैं. ईद, गुड़ी पड़वा और उगादी जैसे त्योहारों के नज़दीक आने के साथ, फिल्म को बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए एक आदर्श समय मिल गया है.

भावना अजवानी ने मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा को कहा अलविदा

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा अपने ड्रामाटिक ट्विस्ट और इमोशनल स्टोरीलाइन से दर्शकों को बांधे हुए है। शो के मेकर्स ने हाल ही में एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें आने वाले एपिसोड में एक बड़े डेवलपमेंट के बारे में बताया गया है। प्रोमो में दिखाया गया है कि शो जल्द ही एक साल का लीप लेगा, जिससे कहानी में एक नया फेज आएगा। प्रथाना की अचानक मौत के बाद, अनुपमा गोवा में एक नया सफर शुरू करेगी। यह लीप कहानी में एक टर्निंग पॉइंट लाएगा क्योंकि सेंट्रल कैरेक्टर एक मुश्किल दौर का सामना करने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ता है। नई सेटिंग और ट्रैक से कहानी में नए डेवलपमेंट आने की उम्मीद है। आने वाले लीप से शो की कास्ट में भी बदलाव आएगा। कहानी आगे बढ़ने पर एक कैरेक्टर की जगह कोई और ले लेगा। प्रेरणा, जिसे पहले भावना अजवानी ने निभाया था। वह शो से बाहर हो जाएगी।

प्रेरणा का कैरेक्टर दिसंबर 2025 में अनुपमा में आया और जल्द ही स्टोरीलाइन का एक अहम हिस्सा बन गया। उनके रोल को एक नए कैरेक्टर के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया, जिसने प्रेम और राही के बीच टेंशन पैदा की। शो में प्रेरणा को विलेन के किरदार में दिखाया गया था। उसकी मौजूदगी ने प्रेम और राही के रिश्ते में मुश्किलें बढ़ा दी थीं, जिसे कहानी में नया मोड़ देखे को मिला था। मार्च 2026 की स्टोरीलाइन में दिखाया गया कि प्रेरणा प्रेम से प्यार करने लगती है, जिसे प्रेम और राही की शादीशुदा जिंदगी में हलचल मच जाती है।

आने वाले एक साल के लीप और कास्ट में बदलाव के साथ मेकर्स अनुपमा की कहानी को एक नई दिशा में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। गोवा में शिफ्ट होने और नए डेवलपमेंट की शुरुआत से आगे के एपिसोड में नए ट्विस्ट आने की उम्मीद है। बता दें कि प्रेरणा का किरदार पहले भावना अजवानी ने निभाया था।

गोपीचंद की 33वीं फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है।

अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति। इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु सत्यावती का किरदार निभाएंगी।

सत्यवती नाम की एक आदिवासी लड़की की भूमिका में ऋतु को लुक काफी दमदार दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर से पता चल रहा है कि इस फिल्म में उनका किरदार दमदार और प्रभावशाली होगा। गोपीचंद 33 एक बड़ी बजट की तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संकल्प रेड्डी कर रहे हैं। यह फिल्म 7वीं शताब्दी की एक कम ज्ञात ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जिसमें गोपीचंद एक योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीनिवासा सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत बन रही इस फिल्म का पहला शेड्यूल कश्मीर में पूरा हो चुका है।

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन फिर अधर में लटकी, स्थगित हुई स्क्रीनिंग

थलापति विजय पिछले कुछ समय से निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। एक ओर, उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम ने चेन्नई की एक अदालत में विजय से तलाक के लिए अर्जी लगाई है। वहीं दूसरी ओर, अभिनेता की फिल्म जन नायकन को एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की समीक्षा समिति द्वारा फिल्म की स्क्रीनिंग को अचानक स्थगित कर दिया गया है। बता दें, स्क्रीनिंग 9 मार्च को दोपहर 2 बजे होनी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, समीक्षा समिति के एक सदस्य के बीमार पड़ जाने के कारण जन नायकन की स्क्रीनिंग को अनिश्चितकाल के लिए रद्द करना पड़ा है। बताया जाता है कि निर्माता केवीएन प्रोडक्शन को कथित तौर पर 8 मार्च को पुनर्निर्धारित स्क्रीनिंग के बारे में आधिकारिक सूचना मिल गई थी, लेकिन इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण अचानक फैसला बदलना पड़ा। हालांकि, बोर्ड और निर्माताओं ने इस प्रक्रिया को लेकर चुप्पी साध रखी है। जन नायकन को 9 जनवरी, 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र न मिलने के कारण यह अब तक अधर में लटकी है। इस बीच, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद, फिल्म को जून में रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कोई मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें, एच. विनोद द्वारा निर्देशित जन नायकन, विजय की आखिरी फिल्म है।

चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं नाक पर पड़े चश्मे के दाग, इन नुस्खों से हटाए इन्हें

वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है। लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

खीरा-खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

एलोवेरा -एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

टमाटर -टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

आलू -आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पद्रंह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रदंह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके को अपनाने पर कुछ ही दिनों में आपके नाक पर काले निशान हट जाएंगे।

नींबू का रस -इसे लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

संतरे के छिलके-ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पड़ने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पड़ने वाले निशान को गायब कर सकता है।

शहद लगाएं-नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं। इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

बादाम तेल-बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

गुलाबजल-ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं। नियमित रूप से इसका प्रयोग करने से आपके दाग हमेशा के लिए दूर ही जाएंगे।

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, जानिए आपके लिए कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश: लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रश: वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश: यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है।

हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघी: यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश: यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रश: यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश: अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हे सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है।

बोअर ब्रिसल ब्रश: यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

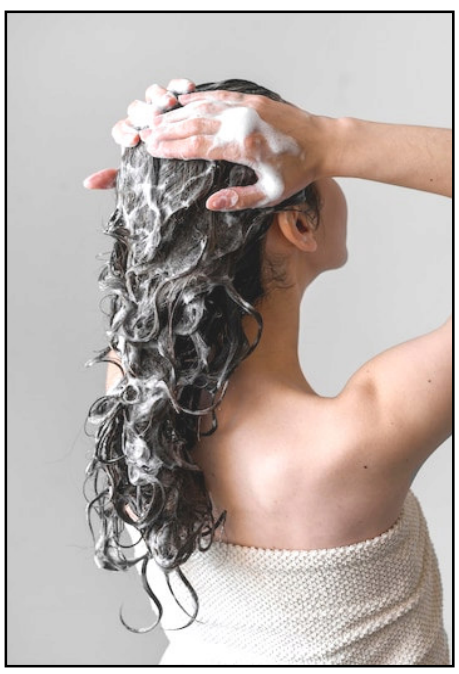

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं। बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है। अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

जोर से रगड़ना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगड़ने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

गैस एजेंसी के डिलीवरी कर्मचारियों ने की हड़ताल

हरिद्वार । गैस सिलेंडर वितरण कर्मचारियों की एक दिनी हड़ताल से शहर में सप्लाई ठप हो गई। सैकड़ों उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल सके और भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह सिंहद्वार स्थित पुष्पक गैस एजेंसी के सैकड़ों डिलीवरी कर्मचारी अचानक हड़ताल पर चले गए। बाद में दूसरी एजेंसियों के कर्मचारी भी इस आंदोलन से जुड़ गए, जिस कारण शहरभर में गैस वितरण प्रभावित हो गया। इन कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ लोग खुद को पत्रकार बताकर उनको ब्लैकमेल कर रहे हैं। बीते शुक्रवार को आर्यनगर क्षेत्र में एक कर्मचारी को रोककर सिलेंडर का वजन कराने की जिद की गई। विरोध करने पर गैस कम होने का आरोप लगाकर एजेंसी बंद कराने की धमकी दी गई और दो लाख रुपये की मांग की गई। कर्मचारियों ने बताया कि इस मामले में तथाकथित पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। 1000 सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित: डिलीवरी कर्मचारी प्रतिदिन करीब 1000 उपभोक्ताओं तक गैस सिलेंडर पहुंचाते हैं। लेकिन, शनिवार को हड़ताल के चलते यह व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई।

ऋषिकेश के होटल में 'मिनी कैसीनो' का पर्दाफाश: दिल्ली की युवतियों संग 40 गिरफ्तार, पूरी पुलिस चौकी सस्पेंड

ऋषिकेश (संवाददाता)। देवभूमि की मर्यादा को ताक पर रखकर हरिद्वार रोड स्थित एक होटल में चल रहे हाई-प्रोफाइल 'अवैध कैसीनो' का देहरादून पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क्) प्रमेंद्र सिंह डोभाल के निर्देश पर हुई इस सर्जिकल स्ट्राइक में पुलिस ने होटल नवरंग से 10 महिलाओं सहित कुल 40 अभियुक्तों को रंगे हाथों दबोचा है। छापेमारी के दौरान मौके से हजारों की संख्या में कैसीनो चिप्स (क्वाइन्स), ताश की गड्डियां और महंगी शराब की बोतलें बरामद हुई हैं। पुलिस की इस रेड ने न सिर्फ जुआरियों के नेटवर्क को तोड़ा, बल्कि महकमे के भीतर छिपे लापरवाह चेहरों को भी बेनकाब कर दिया है। एसएसपी देहरादून ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आईडीपीएल (IDPL) चौकी पर तैनात दरोगा समेत समस्त स्टाफ को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। पुलिस का मानना है कि स्थानीय पुलिस की मिलीभगत या घोर लापरवाही के बिना इतने बड़े स्तर पर कैसीनो का संचालन मुमकिन नहीं था।

होटल के भीतर का नजारा किसी बड़े शहर के कैसीनो जैसा था। पुलिस ने मौके से 3356 कैसीनो क्वाइन्स, 26 ताश की गड्डियां और 1,37,600 रुपये की नगदी जब्त की है। जांच में सामने आया है कि इस जुआ पार्टी में शामिल होने के लिए दिल्ली, मेरठ और हरियाणा जैसे राज्यों से भी लोग पहुंचे थे। पकड़ी गई 10 युवतियां मुख्य रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं, जिन्हें खास तौर पर इस इवेंट के लिए बुलाया गया था।

होटल नवरंग को प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है। होटल मालिक पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गया, जिसकी तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कोतवाली ऋषिकेश में जुआ अधिनियम की धारा 3/4/5 और आबकारी अधिनियम की धारा 60/68 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस बड़ी कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण कानूनी पहलू भी जुड़ गया है। दरअसल, उत्तराखंड सरकार ने हाल ही में 'उत्तराखंड सार्वजनिक जुआ निवारण विधेयक 2026' को मंजूरी दी है, जो ब्रिटिश काल के 1867 के कानून की जगह लेगा। नए कानून के तहत संगठित जुआ गिरोह चलाने वालों को अब 5 साल तक की जेल और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। ऋषिकेश की इस घटना ने साफ कर दिया है कि पुलिस अब नए सख्त तेवरों के साथ इस सिंडिकेट पर नकेल कसने की तैयारी में है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की सूची में ऋषिकेश के स्थानीय कारोबारियों के साथ-साथ दिल्ली के रोहिणी, मेरठ और ग्रेटर नोएडा के रईसजादे भी शामिल हैं। पुलिस अब इन सभी के पुराने आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है ताकि इस संगठित नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचा जा सके।

आधी रात होटल नवरंग में छापा, दिल्ली-हरियाणा के जुआरी पकड़े गए, लापरवाही पर पूरी IDPL चौकी सस्पेंड

ऋषिकेश : उत्तराखंड की तीर्थनगरी ऋषिकेश में अवैध गतिविधियों के खिलाफ देहरादून पुलिस कप्तान ने अब तक का सबसे बड़ा हंटर चलाया है। हरिद्वार रोड स्थित होटल नवरंग में चल रहे बड़े स्तर के जुआ रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद एसएसपी ने आईडीपीएल (ढ्ढष्ठक्क) चौकी के पूरे स्टाफ को एक साथ सस्पेंड कर दिया है। चौकी प्रभारी समेत कुल 12 पुलिसकर्मियों को ड्यूटी में लापरवाही और इलाके में अवैध धंधों पर अंकुश न लगा पाने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। शुक्रवार की देर रात एसएसपी देहरादून को गोपनीय सूचना मिली थी कि ऋषिकेश के एक होटल में बाहरी राज्यों के रईसजादे बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने स्थानीय चौकी को भनक तक नहीं लगने दी और सीधे क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश को टीम गठित कर छापेमारी के निर्देश दिए। जब पुलिस टीम ने हरिद्वार रोड मुर्गी फार्म के पास स्थित होटल नवरंग में दबिश दी, तो वहां का नजारा देख अधिकारी भी दंग रह गए। छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में जुआ सामग्री, लाखों की नगदी और विभिन्न ब्रांडों की शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। पुलिस ने मौके से कुल 40 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 10 महिलाएं भी शामिल बताई जा रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपी केवल उत्तराखंड के ही नहीं, बल्कि दिल्ली, नोएडा, मेरठ और हरियाणा जैसे इलाकों से यहां जुआ खेलने पहुंचे थे। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ कोतवाली ऋषिकेश में जुआ अधिनियम और आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात स्थानीय पुलिस की भूमिका रही। जिस इलाके में महीनों से इतना बड़ा अवैध कैसीनो और जुआ घर चल रहा था, वहां की आईडीपीएल चौकी को इसकी कानो-कान खबर नहीं थी। एसएसपी प्रमोद सिंह डोबाल ने इसे घोर लापरवाही और मिलीभगत की आशंका मानते हुए कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ किया कि सत्यापन अभियान और चेकिंग में शिथिलता बरतने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। होटल नवरंग को पुलिस ने फिलहाल सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान होटल का मैनेजर मौके से फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। एसएसपी ने निर्देश दिए हैं कि होटल मालिक के खिलाफ भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस अब इन आरोपियों के आपराधिक इतिहास और किसी बड़े संगठित नेटवर्क से इनके जुड़ाव की जांच कर रही है।

कुंभ मेला 2027 की तैयारी: मेला प्रशासन ने विधायक के साथ स्वर्गाश्रम क्षेत्र का भ्रमण कर घाटों का लिया जायजा

घाटों के सुदृढ़ीकरण एवं यात्री सुविधाओं को लेकर जन-प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा

हरिद्वार । आगामी कुंभ मेला-2027 में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा स्नान की सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु मेला प्रशासन द्वारा सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में कुंभ क्षेत्र में स्थित गंगा घाटों के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विकास पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। शनिवार को अपर मेलाधिकारी श्री दयानन्द सरस्वती के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने क्षेत्रीय विधायक श्रीमती रेनू बिष्ट की उपस्थिति में स्वर्गाश्रम क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने क्षेत्र में स्थित घाटों का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों के चौड़ीकरण, नई सीढ़ियों के निर्माण, रेलिंग एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था, समुचित प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम तथा आपातकालीन निकास मार्गों की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रेनू बिष्ट ने कहा कि कुंभ मेला आस्था का सबसे बड़ा पर्व है, जिसमें आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने घाटों के नियमित रख-रखाव, स्वच्छता एवं पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए घाटों के विस्तार की आवश्यकता भी रेखांकित की। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी श्री दयानन्द सरस्वती ने सिंचाई विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि घाटों के निर्माण, मरम्मत एवं अनुरक्षण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। इसके साथ ही संबंधित निकायों को घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित एवं प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

अपर मेलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि कुंभ मेला की तैयारियों के संबंध में जन-प्रतिनिधियों, साधु-संतों, स्थानीय निवासियों एवं अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उन पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन का लक्ष्य कुंभ मेला-2027 को न केवल भव्य, बल्कि पूर्णतः सुव्यवस्थित, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी मुस्तैदी से कार्य करना होगा। इस अवसर पर नगर पंचायत जौंक के सभासदगण, अधिशासी अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने-अपने स्तर पर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी।

श्री रामनवमी पर मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों की भीड़

रुड़की। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, गंगा घाट पर गुरुवार को श्री रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भगवान श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा और दिनभर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल माता दुर्गा के विशेष पूजन के साथ हुआ। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक माता को स्नान कराया, जिसके उपरांत विश्व शांति और लोक कल्याण के लिए भव्य यज्ञ का आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। भगवान के बाल स्वरूप का दूध, दही, शहद और घी से पंचामृत स्नान कराया गया। स्नान के पश्चात प्रभु का मनमोहक श्रृंगार किया गया और भव्य आरती उतारी गई। इसके बाद मंदिर परिसर से एक भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम का दरबार और बाल रूप में प्रभु की मनमोहक झांकियां बनी रही। शोभायात्रा मंदिर से शुरू होकर सिविल लाइंस, रुड़की टॉकीज, प्रेम मंदिर, अनाज मंडी और पुरानी तहसील से होते हुए दोबारा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पर संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा और मेयर अनीता अग्रवाल उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुभाष सरीन, प्रमोद जौहर, पंडित राम गोपाल पाराशर, प्रदीप पृथी, राकेश खन्ना, विजय सेठी, चांदनी, दीक्षा, धारा, सरिता गोयल, नीता गोयल, अनीता, बाला रानी, मधु, सरल संयुक्त, सुमन, गीत, अशोक अरोड़ा, दमन सरीन, गगन सरीन, और अरविंद कश्यप सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं शामिल रहे।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।